आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 299 | उज्जैन, गुरूवार 18 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने स्वच्छता के लिए श्रमदान कर स्वच्छोत्सव का किया शुभारंभ

ई-वेस्ट कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, नागरिकों को स्वच्छता की दिलाई शपथ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर के एम.वाय. हॉस्पिटल परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। उन्होंने इस दौरान नगर निगम इंदौर के ई-वेस्ट कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को प्रदेश में ÷स्वच्छता ही सेवा÷ अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन और जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एम.वाय.हॉस्पिटल के अंदर और बाहर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने

कहा कि एम. वाय. अस्पताल में विकास कार्यों के लिए प्रदेश सरकार हर तरह की मदद देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थिति नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्वच्छता के प्रति सजग रहकर सप्ताह में 2 घंटे और वर्ष में 100 घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करने की सभी से अपील की। उन्होंने नागरिकों का आहवान किया कि न तो गंदगी करें और न होने दें। ÷स्वच्छता ही सेवा अभियान के लॉंचिंग लोगो का विमोचन भी किया।

इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि ई-वेस्ट आज के समय में सबसे गंभीर प्रदूषण कारक अपशिष्ट है, जिसका निपटान यदि वैज्ञानिक पद्धति से न किया जाए, तो यह पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। नगर निगम इन्दौर द्वारा शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत ई-वेस्ट संग्रहण अभियान प्रारंभ किया गया है।

एसबीआई में दिनदहाड़े डकैती, एक करोड़ कैश और 20 किलो सोना लूटकर बदमाश फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में दिनदहाड़े लुटेरों ने भारतीय स्टेट बैंक पर धावा बोल दिया। उनके हाथ में पिस्तौल और चाकू थे। लुटेरों ने 20 करोड़ रुपये के कैश और सोने के जेवरात लेकर भाग निकले।

यह घटना मंगलवार की शाम लगभग 6:30 बजे की है। विजयपुरा जिले के चाडचन शाखा को चोरों ने निशाना बनाया था। इस दौरान उन्होंने भारी मात्रा में कैश और सोना लूट लिया, जिसकी कीमत 21 करोड़ रुपये के आसपास बताई जा रही है।

कैस दिया डकैती को अंजाम- पुलिस के अनुसार, तीन लोग मास्क पहनकर बैंक में दाखिल हुए। उन्होंने बैंक में खाता खुलवाने की बात कहकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने बैंक मैनेजर, कैशियर समेत सभी कर्मचारियों पर बंदूर और चाकू तान दी। इसके बाद लुटेरों ने पूरे बैंक स्टाफ के हाथ और पैर बांध दिए।

पुलिस ने मामले पर स्वढ्ढक्र दर्ज कर ली है। अनुमान के अनुसार, लुटेरों ने 1 करोड़ रुपये का कैश और 20 करोड़ रुपये के सोने के गहने लूटे हैं। बैंक के मैनेजर ने पुलिस में शिकायत लिखवाई है।

कुछ किसानों को जेल में बंद करो..., सुप्रीम कोर्ट ने Farmers के लिए क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में हर साल अक्टूबर-नवंबर में जहरीली हवा का कहर बरपता है। इसकी एक बड़ी वजह पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना है। आज सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर सख्त रुख अपनाया है।

कोर्ट ने कहा कि कुछ किसानों को जेल भेजने से दूसरों को सबक मिलेगा और पराली जलाने की आदत पर लगाम लगेगी।

कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मामले पर गहरी नाराजगी जताई। इस मामले की एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने बताया कि किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए सब्सिडी और मशीनें दी गई हैं, मगर किसान बहाने बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ किसान कहते हैं कि उन्हें ऐसी जगह पर पराली जलाने को कहा जाता है, जहां सैटेलाइट नजर नहीं रखता। अपराजिता ने कोर्ट से कहा, 2018 से सुप्रीम कोर्ट ने कई आदेश दिए, लेकिन किसान सिर्फ लाचारी दिखाते हैं।

हिमाचल-उत्तराखंड में बारिश बनी आफत, देहरादून में 18 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कई महीनों की मूसलाधार बारिश के बाद अब मानसून उत्तर भारत से विदा लेने लगा है। मानसून की वापसी शुरू हो चुकी है। हालांकि, कुछ राज्यों को अभी भी बारिश से राहत मिलने की संभावना नहीं है। खासकर यूपी-बिहार में आज मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पहाड़ी राज्यों में बादल फटने, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड्स से भारी तबाही मची हुई है। पहाड़ी राज्यों को भी बारिश से जल्द ही राहत मिल जाएगी। वहीं दिल्ली समेत मैदानी इलाकों में आज तेज बारिश होने की उम्मीद है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी और तापमान में गिरावट भी दर्ज की जा सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों से मानसून ले चुका है। वहीं, देश के बाकी राज्यों में मानसून की वापसी जारी है। दिल्ली के अलावा पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में अगले 3 दिन तक तेज बारिश की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश ने भारी तबाही मचा रखी है। उत्तराखंड में अब तक सामान्य से 22 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की 46 घटनाएं सामने आईं, जिसके कारण 140 से अधिक भूस्खलन और 97 फ्लैश फ्लड्स की घटनाएं देखी गईं।

हिमाचल और उत्तराखंड में रात भर बारिश होती रही। बारिश के तेज बहाव में 5 लोगों बह गए। वहीं, देहरादून में 18 लोगों की मौत हो गई और 500 से अधिक लोगों के फंसे होने की संभावना है। दोनों राज्यों में आज भी बारिश का तांडव जारी रहेगा।दिल्ली एनसीआर में अगले 3 दिनों तक मौसम खुशनुमा रहने की संभावना है। दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में आज घने बादल छाए रहेंगे। 16, 17 और 19 सितंबर को दिल्ली एनसीआर के कई हिस्सों ने तेज बरसात देखने को मिल सकती है।

भारत में हथियार फैक्ट्रियां स्थापित करने की फिराक में पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से लगती सीमा पर सुरक्षा अब तक के सबसे उच्च स्तर पर है। इस कारण पाकिस्तानी आतंकियों के लिए घुसपैठ लगभग असंभव हो गई है और जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के लिए हथियारों की तस्करी भी नहीं हो पा रही है।

आइएसआइ ने भारत में अपने मॉड्यूल सक्रिय कर दिए हैं- लिहाजा पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने अब भारत में अपने मॉड्यूल सक्रिय कर दिए हैं और उन्हें लोगों की नजरों से बचकर दूर-दराज के इलाकों में गोला-बारूद या बम व हथियार तैयार करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

बंगाल में बर्द्धमान मॉड्यूल की तर्ज पर होगा काम- इससे जम्मू-कश्मीर और अन्य जगहों पर सक्रिय आतंकियों तक हथियारों की तेज और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह बंगाल में बर्द्धमान मॉड्यूल की तर्ज पर है, जिसका 2014 में भारतीय एजेंसियों ने भंडाफोड़ किया था।

इंटेलिजेंस ब्यूरो को पता चला है कि देशभर में हथियार और गोला-बारूद बनाने के लिए छोटी इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है। एजेंसियों ने राज्य पुलिस इकाइयों को केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी है क्योंकि इन माड्यूलों पर नजर रखकर उन्हें बंद करना होगा। अगर चूक हुई तो रातों-रात कई छोटी इकाइयां स्थापित हो सकती हैं और उनमें भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद का उत्पादन हो सकता है।

राजस्थान के डीग जिले में महिला को जिंदा जलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के डीग जिले में मंगलवार दोपहर सरला नामक एक महिला को उपले के ढेर (गोबर से बने) पर जबरन बिठाकर उसे जिंदा जलाकर मार दिया गया। इससे पहले उसके साथ मारपीट की गई। सरला पूरी तरह से नहीं जली तो स्वजन और ग्रामीण अधजले शव को मोक्षधाम ले गए।

सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों को शव का अंतिम संस्कार करने से रोका तो लोग उत्तेजित हो गए। ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा पत्थरों से हमला किया। पुलिसकर्मियों की वर्दी फाड़ दी।

PM मोदी के जन्मदिन पर नमो ऐप से शुरू हुआ 'सेवा पर्व 2025', पौधारोपण से लेकर AI शुभकामना रील तक; ये चीजें कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर नमो ऐप के वॉलिंटियर्स ने 15 दिन का डिजिटल वॉलिंटियरिंग अभियान शुरू किया है। इस पहल को सेवा पर्व 2025 नाम दिया गया है, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसका मकसद पीएम मोदी की सेवा भावना और राष्ट्रहित की सोच को सम्मान देना है।

सेवा पर्व 2025 में लोगों को कई तरह की इंटरएक्टिव गतिविधियों और सेवाभाव से जुड़े कामों से जोडा गया है। इसमें पौधा लगाना, रक्तदान करना, स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेना जैसी 15 सेवाकार्य शामिल हैं। हर सेवा कार्य की फोटो लोग नमो ऐप पर अपलोड कर सकते हैं और एक्टिव प्रतिभागियों को सेवा लीडरबोर्ड पर जगह के साथ डिजिटल सर्टिफिकेट भी मिलेगा।

क्या है गाइडिंग मंत्रा- इस पहल का गाइडिंग मंत्री है- सेवा ही संकल्प, राष्ट्रप्रथम ही प्रेरणा। ऐप पर 9 तरह की गतिविधियां दी गई हैं, जिनमें सेवा

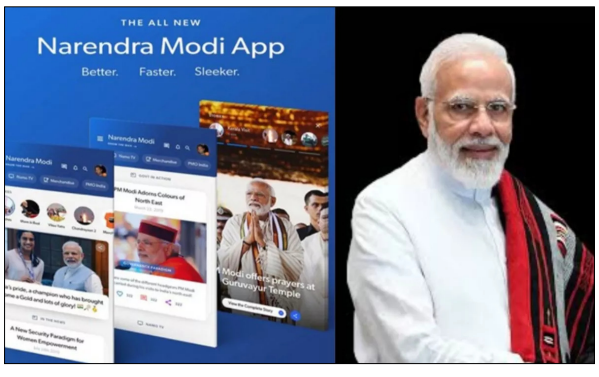

कार्य, क्विज, प्रदर्शनी और शुभकामनाएं भेजने जैसी चीजें शामिल हैं।

वर्चुअल एग्जीबिशन में पीएम मोदी की जीवन की यात्रा को दिखाया गया है। इसमें उनके बचपन से लेकर नेतृत्व तक की कहानियां, वीडियो और फोटोबूथ शामिल हैं, जहां लोग पीएम मोदी के साथ वर्चुअल सेल्फी भी ले सकते हैं।

AI शुभकामना रील के जरिए लोग अपना नाम, पेशा और सरकारी योजनाओं का जिक्र देकर पीएम मोदी के लिए AI से बना बना वीडियो शुभकामना संदेश तैयार कर सकते हैं।

Know Your NAMO क्विज में पीएम मोदी के जीवन और कामों पर 10 सवाल पूछे जाएंगे, सही जवाब देने पर प्रतिभागियों को स्कोर और डिजिटल सर्टिफिकेट मिलेगा।

लोग क्या-क्या कर सकते हैं- मैं भी मोदी नाम की एक्टिविटी में लोग सेवा करते हुए सेल्फी अपलोड कर सकते हैं। इन सब तस्वीरों को जोड़कर पीएम मोदी का एक बड़ा डिजिटल चित्र तैयार किया जाएगा, जो सेवा के माध्ययम से एकता का प्रतीक होगा।

इसके अलावा, ऐप पर नमो बुक कलेक्शन और नमो मर्चेंडाइज का सेक्शन भी जोड़ा गया है। लोग पीएम मोदी की जीवन यात्रा पर लिखी किताबें मंगवा सकते हैं या दूसरों को गिफ्ट कर सकते हैं। वहीं टी-शर्ट, कैप और मग जैसी चीजें भी खरीदी जा सकती है।

टेलर रॉबिन्सन ने क्यों की चार्ली कर्क की हत्या? वारदात के बाद दोस्त के साथ चैट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के करीबी चार्ली कर्क की सरेआम हत्या काफी चर्चा में है। 2 दिन की तलाश के बाद पुलिस ने चार्ली कर्क को मारने वाले टेलर रॉबिन्सन को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, चार्ली की हत्या के बाद टेलर ने अपनी ट्रांसजेंडर दोस्त के सामने अपना गुनाह कबूल किया था।

अमेरिकी अधिकारी लगातार टेलर से पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने जांच से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा नहीं है। हालांकि, कोर्ट की फाइलों से पता चलता कि टेलर ने अपने दोस्त से चार्ली के बारे में बात की थी। टेलर ने चार्ली नाम लेते हुए लिखा था, मैं उससे बहुत नफरत करता हूं और कुछ नफरतों को बातचीत से हल नहीं किया जा सकता है।

लर ने अपनी दोस्त के लिए लिखे नोट में कहा- मुझे चार्ली कर्क को हटना का मौका मिला है और मैं यह करने जा रहा हूं।

टेलर ने बताई हत्या की वजह- टेलर की पार्टनर ने जब पूछा कि क्या यह कोई मजाक है, तो इसके जवाब में टेलर ने कहा, मैं बिल्कुल ठीक हूं। मैं किसी काम में व्यस्त हूं। मगर, मुझे घर आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। मेरी राइफल मेरे हाथ में है। मैंने सोचा था यह राज मरते दम तक किसी ने नहीं बताऊंगा, लेकिन तुम्हें इसमें शामिल करने के लिए माफी मांगता हूं।

टेलर की पार्टनर ने पूछा कि क्या चार्ली कर्क की हत्या तुमने की है? इसके जवाब में टेलर ने कहा, मुझे माफ कर दो। टेलर ने चार्ली की हत्या की वजह बताते हुए कहा, कुछ चीजों के लिए नफरत ही काफी होती है और इसे बातचीत से हल नहीं किया जा सकता है।

नेतन्याहू, पुतिन के बाद मेलोनी ने भी किया पीएम मोदी को बर्थडे विश, लिखा सेल्फी वाला मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन की गूंज देश-विदेश में सुनाई दे रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत दुनिया के कई बड़े नेताओं ने पीएम मोदी को मुबारकबाद दी है। वहीं, अब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी पीएम मोदी को बर्थडे विश किया है।

इटली की पीएम ने पीएम मोदी के साथ सेल्फी शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। मेलोनी की पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

मेलोनी ने लिखा पोस्ट- मेलोनी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 75वा जन्मदिन

मुबारक हो। उनकी मजबूती, लगन और लाखों लोगों का नेतृत्व करने की क्षमता प्रेरणा का बेहतरीन स्रोत है।

जॉर्जिया मेलोनी ने कहा- मैं कामना करती हूं कि वो शानदार सेहत और ऊर्जा के साथ भारत के उज्ज्वल भविष्य का नेतृत्व करते रहें, जिससे दोनों देशों (भारत-इटली) के रिश्ते भी मजबूत होंगे।

पुतिन ने लिखा पीएम मोदी के नाम संदेश- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दी है। पुतिन ने लिखा, आपके मार्गदर्शन में भारत ने सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में शानदार परिणाम हासिल किए हैं। भारत और रूस के रिश्तों को मजबूत करने में भी आपकी अहम भूमिका रही है। मैं दोनों देशों के करीबी रिश्तों की सराहना करता हूं। हम इस साझेदारी को और भी ज्यादा मजबूत बनाएंगे।

इजरायली पीएम ने जारी किया वीडियो- इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी वीडियो जारी करते हुए पीएम मोदी को मुबारकबाद दी है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और मेरे अच्छे दोस्त नरेंद्र, मैं आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देना चाहता हूं। आपने अपनी पूरी जिंदगी में भारत के लिए बहुत कुछ किया है। हमने साथ मिलकर भारत और इजरायल की दोस्ती को ऊंचाईयों पर पहुंचाया है। मैं आशा करता हूं कि जल्द ही आपसे मुलाकात होगी। जन्मदिन मुबारक हो मेरे दोस्त।

कनाडा में खालिस्तानियों की नई साजिश, वैंकूवर में भारतीय दूतावास पर कब्जे की दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा और भारत के बीच राजनयिक रिश्ते फिर से बहाल होने की खबरों के बीच अमेरिका आधारित खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस ने वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर कब्जा करने की धमकी दी है। यह संगठन गुरुवार को दूतावास पर धावा बोलने की योजना बना रहा है और उसने भारतीय-कनाडाई नागरिकों से अपील की है कि वे उस दिन दूतावास की नियमित यात्रा टाल दें।

SFJ ने एक पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक को निशाना बनाया गया है। संगठन ने दावा किया कि भारतीय दूतावास कनाडा में खालिस्तानी कार्यकर्ताओं पर जासूसी और निगरानी कर रहे हैं।

खालिस्तानी संगठन क्या आरोप लगा रहा- SFJ ने अपने बयान में कहा, दो साल पहले, 18 सितंबर 2023 को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संसद में बताया था कि खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की भूमिका की जांच चल रही है।

संगठन का आरोप है कि इसके बावजूद भारतीय दूतावास खालिस्तान रेफरेंडम के कार्यकर्ताओं पर जासूसी और निगरानी कर रहे हैं।

उल्टी और लो बल्ड प्रेशर... ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो की हाउस अरेस्ट में बिगड़ी तबीयत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को जेल के दौरान बीमार पड़ने के बाद एक पुलिस गार्ड के साथ अस्पताल ले जाया गया। उनके बेटे फ्लेवियो ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

फ्लेवियो ने एक्स पर लिखा कि उनके पिता को हिचकी, उल्टी और लो ब्लडप्रेशर की शिकायत थी। इसे इमरजेंसी बताते हुए उन्होंने कहा, मैं दुआ करता हूं कि यह कोई गंभीर बात न हो।

कमजोर हो गए बोल्सोनारो- बोल्सोनारो को पिछले हफ्ते 2022 के चुनाव में लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा से हार के बाद तख्तापलट की साजिश रचने के आरोप में 27 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उनके वकीलों ने कहा है कि वे अपील करेंगे।

रविवार को बायोप्सी के लिए उनकी त्वचा के आठ जख्म के टुकड़े निकाले गए थे। उनके डॉक्टर क्लाउडियो बिरोलिनी ने कहा कि बोल्सोनारो काफी कमजोर हो गए हैं और उन्हें एनीमिया हो गया था। डॉक्टर ने बताया है कि पिछले महीने खराब खानपान की वजह से बोल्सोनारो एकदम कमजोर हो चुके हैं।

मसूद अजहर ने रची संसद और 26/11 हमले की साजिश, जैश कमांडर के कबूलनामे से पाक बेनकाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकवाद को खाद-पानी देने वाले पाकिस्तान का नापाक चेहरा एक बार फिर दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है। जैश-ए-मोहम्मद शीर्ष कमांडर मसूद इलियासी कश्मीरी ने स्वीकार किया है कि दिल्ली और मुंबई में आतंकी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में आतंकवादी मसूद अजहर का हाथ था। इलियासी कश्मीरी के इस कबूलनामे से दुनिया के सामने पाकिस्तान की फिर पोल खुल गई।

जैश-ए-मोहम्मद के शीर्ष कमांडर मसूद इलियासी कश्मीरी ने स्वीकार किया है कि भारत के मोस्ट वॉन्डेट आतंकवादियों में से एक मसूद अजहर ने दिल्ली की जेल से छूटने के बाद पाकिस्तान में बैठकर भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाई थी।

मसूद अजहर ने रची दिल्ली-मुंबई हमलों की साजिश

एक वीडियो में मसूद इलियासी कश्मीरी कह रहा है, ÷दिल्ली की जेल से छूटने के बाद, अमीर-उल-मुजाहिदीन मौलाना मसूह अजहर पाकिस्तान आता है, बालाकोट की धरती पर उसे अपने विजन और मिशन को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है, जिसमें दिल्ली और मुंबई में आतंकी हमले शामिल हैं।

मसूद इलियासी कश्मीरी के इस वीडियो के बाद पाकिस्तान के पास ये कहने की कोई गुंजाइश नहीं बचती कि वह आतंकियों का पनाहगार नहीं है। इलियासी का ये कबूलनामा भारत को उन दावों की पुष्टि करता है, जिसमें जैश के शिविर पाकिस्तान के सैन्य-सुरक्षा प्रतिष्ठान की निगरानी में खुलेआम चल रहे थे, जबकि इस्लामाबाद दुनिया को बता रहा था कि उसकी सीमाओं के भीतर कोई आतंकवादी ठिकाना नहीं है।

नशे में धुत युवकों ने सूप में किया पेशाब, माता-पिता को भरना होगा करोड़ों का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की एक अदालत ने दो नाबालिग टीनएजर्स के माता-पिता को 2.2 मिलियन युआन (लगभग 2.71 करोड़ रुपये) का भारी-भरकम जुर्माना ठोकने का आदेश दिया है। यह मामला शंघाई के मशहूर हैदिलाओ हॉटपॉट रेस्तरां का है।

इस रेस्तरां में दो 17 साल के लड़कों, वू और तांग ने नशे की हालत में घिनौनी हरकत की है। इन दोनों ने एक निजी कमरे में टेबल पर चढ़कर उबलते सूप के बर्तन में पेशाब कर दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

यह घटना 24 फरवरी 2025 को हुआ। दोनों लड़के नशे में धुत थे और उन्होंने जानबूझकर सूप को गंदा किया, जो हॉटपॉट में सब्जियां और मांस पकाने के लिए इस्तेमाल होता है। हालांकि, कोई सबूत नहीं मिला कि किसी ग्राहक ने यह सूप पिया, फिर भी हैदिलाओ ने 4,000 से ज्यादा ग्राहकों को मुआवजा दिया, जो उस दिन से लेकर 8 मार्च तक रेस्तरां में आए थे।

हैदिलाओ ने ग्राहकों को उनके बिल की पूरी राशि लौटाई और दस गुना ज्यादा नकद मुआवजा भी दिया। साथ ही, सारे बर्तनों को नष्ट करके नए खरीदे और रेस्तरां की गहरी सफाई कराई। कंपनी ने शुरू में 23 मिलियन युआन (लगभग 28 करोड़ रुपये) का हर्जाना मांगा था, जिसमें ग्राहकों को दी गई राशि और प्रतिष्ठा को हुआ नुकसान शामिल था।

खाना नहीं दिया, ठंड में मवेशियों की तरह फुटपाथ पर बिठाया... जॉर्जिया में 56 भारतीयों के साथ बदसलूकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जॉर्जिया के बॉर्डर पर 56 भारतीय यात्रियों के साथ अमानवीय बर्ताव का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक महिला ने दावा किया है कि वैध ई-वीजा और दस्तावेज होने के बावजूद, जॉर्जिया के अधिकारियों ने इन यात्रियों को ठंड में घंटों बिना खाना-पानी और शौचालय के इंतजार करने को मजबूर किया।

इस घटना ने भारतीयों के साथ जॉर्जिया के व्यवहार पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ध्रुवी पटेल नाम की इस महिला ने इंस्टाग्राम पर अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि आर्मेनिया से जॉर्जिया की सदाखलो सीमा पर उनके समूह को 5 घंटे से ज़्यादा ठंड में खड़ा रखा गया। पासपोर्ट जब्त कर लिए गए, कोई जानकारी नहीं दी गई और उन्हें फुटपाथ पर बैठने को मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा लगा कि उनके साथ जानवरों जैसा सलूक किया जा रहा है।

हमें अपराधी के तरह रखा गया- ध्रुवी पटेल ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उनकी वीडियो बनाई, जैसे वे अपराधी हों, लेकिन जब यात्रियों ने वीडियो बनाने की कोशिश की तो उन्हें रोक दिया गया। हैरानी की बात यह कि अधिकारियों ने उनके दस्तावेज तक नहीं देखे और बस कह दिया कि उनके वीजा गलत हैं। पटेल ने इसे शर्मनाक और अस्वीकार्य बताया है।

उन्होंने अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को टैग करते हुए भारत सरकार से इस मामले में सख्त रुख अपनाने की मांग की। यह घटना सदाखलो बॉर्डर पर हुई, जो आर्मेनिया और जॉर्जिया के बीच मुख्य जमीनी रास्ता है।

केरल में इस गंभीर बीमारी से दहशत, इस साल अबतक 19 लोगों की मौत

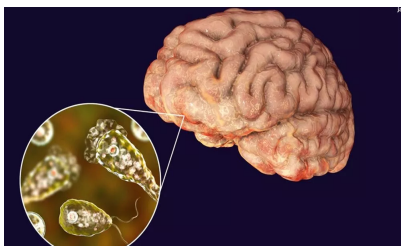

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल से परेशान करने वाली खबर सामने आई है, यहां प्राथमिक अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ा दिया है। यह एक मस्तिष्क संक्रमण है जिसकी मृत्यु दर बहुत अधिक है। यह संक्रमण नेगलेरिया फाउलेरी के कारण होता है, जिसे आमतौर पर दिमाग खाने वाले अमीबा के रूप में जाना जाता है। इस साल, केरल में पीएएम के 61 मामले सामने आए हैं और 19 मौतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से कई मौतें पिछले कुछ हफ्तों में हुई हैं।

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि केरल एक सीरियर पब्लिक हेल्थ चैलेंज से जूझ रहा है। ये संक्रमण, जो पहले कोझीकोड और मलप्पुरम जैसे जिलों में था अब पूरे राज्य में छिटपुट रूप से दिखाई दे रहा है। इसके मरीजों में तीन महीने के बच्चे से लेकर 91 साल बुजुर्ग तक शामिल हैं।

उन्होंने कहा, पिछले साल के उलट, इस बार हमें किसी एक जल स्रोत से जुड़े ग्रुप नहीं दिख रहे हैं। ये अलग मामले हैं और इसने हमारी महामारी विज्ञान संबंधी जांच को मुश्किल बना दिया है।

क्या है पीएएम- केरल सरकार के एक दस्तावेज के मुताबिक, पीएएम केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। इसमें कहा गया है, यह संक्रमण दिमाग के ऊतकों को नष्ट कर देता है, जिससे ज्यादातर मामलों में गंभीर मस्तिष्क सूजन और मृत्यु हो जाती है। पीएएम दुर्लभ है और आमतौर पर स्वस्थ बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों में होता है।

दस्तावेज में गर्म, विशेष रूप से स्थिर, ताजा पानी को मस्तिष्क-भक्षी अमीबा के वाहक के रूप में चिह्नित किया गया है। इसमें कहा गया है, अमीबा का प्रवेश द्वार घ्राण म्यूकोसा और क्रिब्रीफॉर्म प्लेट के माध्यम से होता है, और यह भी कहा गया है कि दूषित पानी का मौखिक सेवन लक्षणात्मक बीमारी से जुड़ा नहीं है।

भारतीय ट्रेनों से प्यार है..., इंडियन रेल के सफर पर क्यों फिदा हुई कनाडाई महिला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के वैंकूवर में रहने वाली सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर भारतीय ट्रेनों की फैन हो गई है। ट्रेन में यात्रा के दौरान महिला ने एक शानदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें उसने अपना अनुभव साझा करते हुए भारतीय रेलवे की जमकर तारीफ की है।

इस महिला का नाम रेचेल रीमर-हर्ले है। हर्ले का यह वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से शेयर हो रहा है। इस वीडियो को न सिर्फ भारत बल्कि कई अन्य देशों के लोग भी काफी पसंद कर रहे हैं।

हर्ले का यह वीडियो ट्रेन के एसी डब्बे का है। उनके वीडियो की शुरुआत सुबह 5 बजे होती है, जब वो प्लेटफॉर्म नंबर 7 से ट्रेन पकड़ती हैं। हर्ले अपने वीडियो में बताती हैं कि हर बड़े स्टेशनों की तरह यहां भी कई यात्री प्लेटफॉर्म पर सो रहे हैं। वहीं, कुछ लोग चलती हुई ट्रेन से कूद रहे हैं, जो भारत में काफी आम है।

हर्ले की ट्रेन स्टेशन पर 10 मिनट के लिए रुकती है। सीट पर पहुंचते ही उन्हें चादर, तकिया और कंबल मिलता है। अपने 7 घंटे के सफर में हर्ले सिर्फ शाकाहारी चीजें खाती हैं। इस दौरान वो बताती हैं कि टिकट की कीमत महज 12 डॉलर थी।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, मुठभेड़ में दो महिला नक्सली ढेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में पुलिस ने 2 महिला नक्सलियों का एनकाउंटर किया है। गढ़चिरौली के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच कई घंटे की मुठभेड़ चली। इस दौरान एनकाउंटर में दोनों महिलाओं की मौत हो गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को इस इलाके में नक्सलियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। पुलिस के पास मुखबिरी थी कि गट्टा LOS (लोकल ऑर्गेनाइजेशन स्क्वॉड) के नक्सलियों ने एटापल्ली ताल्लुका के मोडास्के गांव से सटे जंगलों में डेरा जमा रखा है।

जंगल में शुरू हुआ सर्च ऑपरेशन- अहेरी पुलिस ने तुरंत इलाके में सर्च ऑपरेशन लॉन्च कर दिया। सी-60 दल की 5 यूनिट इलाके में तैनात हो गई। पुलिस की टीम ने नक्सलियों को ढूंढ निकाला। हालांकि, इस दौरान नक्सलियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। यह मुठभेड़ कई घंटों तक चलेगी।

कई हथियार भी बरामद

मुठभेड़ खत्म होने के बाद 2 महिला नक्सलियों का शव जंगल में मिला। पुलिस एनकाउंटर के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इसके अलावा पुलिस ने मौके से ऑटोमैटिक एके-47 राइफल, पस्तौल समेत कई चीजें बरामद की। पुलिस का सर्च ऑपरेशन अभी जारी है।

नेल्लोर में भीषण सड़क हादसा, ट्रक-कार की टक्कर में एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। बुधवार को एक रेत से भरा ट्रक और कार की टक्कर में एक ही परिवार के सात लोगों की मौते पर मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया।

यह घटना नेल्लोर जिले के संगम मंडल के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, कार में सवार परिवार अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदारों से मिलने आत्मकुर सरकारी अस्पताल जा रहा था। तभी सामने से आ रहा रेत से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर कार से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें बैठे सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में 15 साल की एक लड़की भी शामिल है।

मौके से भागा ट्रक चालक- हादसे के बाद ट्रक का चालक मौके से भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर लिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी मृतक नेल्लोर शहर के रहने वाले थे और परिवार के लोग रिश्तेदारों से मिलने अस्पताल जा रहे थे।

हादसे पर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने शोक संदेश जारी कर पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। जगन मोहम रेड्डी ने प्रशासन से अपील की है कि सड़क हादसों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हो।

योगी सरकार ने बनाया आउटसोर्स सेवा निगम, क्या अब अस्थायी कर्मचारियों के हितों का रखा जाएगा ख्याल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के किसी भी देश के लिए रोजगार एक बड़ा मुद्दा है। अनुमान है कि संविदा पर नियुक्ति या आउटसोर्स की व्यवस्था के तहत देश में सवा करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है, लेकिन मुश्किल यह है कि इनके नियमित वेतन, अवकाश और सामाजिक सुरक्षा प्रविधानों को लेकर विभिन्न राज्यों की नियमावली में कोई एकरूपता नहीं है। इससे अस्थायी किस्म की नौकरी करने वालों को कम वेतन और असुरक्षा का सामना करना पड़ता है।

ऐसे में हाल में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड का गठन कर एक महत्वपूर्ण पहल की है। एक गैर-लाभकारी संस्था के रूप में संचालित होने वाली इस पब्लिक लिमिटेड कंपनी यानी आउटसोर्स सेवा निगम की मुख्य जिम्मेदारी भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और अस्थायी कर्मचारियों के जुड़े कई मुद्दों का समाधान करना है।

किसको मिलेगा लाभ- कंपनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के तहत गठित इस निगम के अस्तित्व में आने से अब उत्तर प्रदेश के सरकारी विभाग आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन खुद नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें नए बनाए गए एक पोर्टल (जेईएम) के जरिए निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत एजेंसियों का चयन करना होगा।

यूपी सरकार का दावा है कि यह कदम उन लाखों कर्मचारियों को राहत दिलाएगा, जिन्हें एजेंसियों के जरिए मिलने वाले काम और वेतन संबंधी शोषण का सामना करना पड़ता है।

अकेले उत्तर प्रदेश के 93 सरकारी विभागों में ऐसे 11 लाख कर्मचारी बताए जाते हैं, जिन्हें नियुक्ति देने वाली एजेंसियों से वेतन संबंधी विसंगतियों और नौकरी की असुरक्षा आदि का सामना करना पड़ता है।

पूरे देश के स्तर पर देखें तो केंद्र और राज्य स्तर पर करीब 30-43 फीसद कार्यबल अस्थायी, संविदा या आउटसोर्स के तहत काम कर रहा है, जिसमें डाटा एंट्री, क्लर्की, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी प्रमुख सेवाएं शामिल हैं।

पालघर और नागपुर में दर्दनाक हादसे, 19 साल के दो युवाओं की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में खराब सड़कों और गड्ढों ने दो घरों के चिराग बुझा दिए। पालघर के हेमंत पाचिल और नागपुर के महेंद्र फाटिंग दोनों सिर्फ 19 साल के थे। दोनों पूरे दिन काम करने के बाद घर लौट रहे थे, लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि यह सफर उनका आखिरी सफर साबित होगा।

हेमंत पाटिल पालघर के वडा-भिवंडी हाईवे पर स्कूटर से जा रहे थे, उनका वाहन एक ट्रेलर से टकरा गया और फिसल गया। हादसे में हेमंत की मौके पर ही मौत हो गई। हेमंत ब्लू स्टार कंपनी में काम करते थे और परिवार में अकेले कमाने वाले थे।

स्थानीय लोगों ने जताया विरोध- इसी तरह नागपुर में महेंद्र फाटिंग अपनी बाइक से जा रहे थे। रास्ते में पानी से भरे गड्ढे में बाइक गिर गई और महेंद्र को गंभीर चोट आई। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। महेंद्र पू. पार्षद सरिता इश्वर कवरे के भतीजे थे।

महेंद्र का शव पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए मेयो अस्पताल भेजा और जांच जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में विकास के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें होती है, लेकिन सड़कों की हालत बेहद खराब है। लोगों ने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही के कारण बार-बार हादसे हो रहे हैं।

नागरिकों ने प्रशासन का ध्यान खींचने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। लोगों ने गड्ढों पर माला चढ़ाई और गड्ढों को मौत के गड्ढे बोलकर संबोधित किया। बता दें, नासिक से त्र्यंबकेश्वर मंदिर तक जाने वाली सड़क पर बने बड़े गड्ढे कई लोगों की जान ले चुके हैं।

नेशनलिस्ट यूथ कांग्रेस ने भी उन लोगों की याद में विशेष कार्यक्रम किया, जिनकी मौत गड्ढों की वजह से हुई है। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने भी सोशल मीडिया पर खराब सड़कों की तस्वीर साझा की।

hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

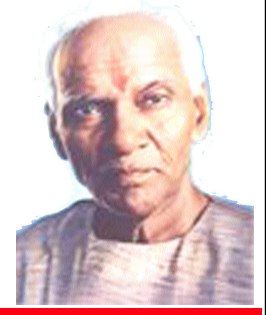

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वादशी

संपादकीय

शिक्षा और कौशलता विकास सफलता, संपन्नता सहित सभी क्षेत्रों की एक ऐसी चाबी है...

वैश्विक स्तरपर किसी भी देश की संपन्नता, सफलता, उच्चस्तरीय अर्थव्यवस्था और हर क्षेत्र में मज़बूत पकड़ रखने की नींव के पहियों में से एक सबसे मज़बूत और महत्वपूर्ण आधारस्तंभ शिक्षा व कौशलता विकास है, शिक्षा और कौशलता विकास सफलता, संपन्नता सहित सभी क्षेत्रों की एक ऐसी चाबी है जिससे सफलता के द्वार खुलते हैं क्योंकि शिक्षा व कौशलता ग्रहण करने के बाद ही वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, अविष्कारक सहित नवोन्मेष, नवाचारों के प्रणेता बनने की और देश सेवा कर अपने देश के विकास करने का अवसर मिलता है।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो हम सभी जानते हैं कि भारत की 68 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है और भारत एक युवा देश है इसको ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति 2020 बनाई गई है जिसके आधार पर वर्तमान समय में शैक्षणिक नीतियां, रणनीतियां व रणनीतिक रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका परिणाम हमें आने वाले कुछ वर्षों में विस्तृत स्तर पर दिखेगा, क्योंकि इस एनईपी - 2020 में युवाओं और प्रौढ़ शिक्षा के अनेक स्तरों पर रणनीतिक रोडमैप बनाने के द्वार खोले गए हैं,जिसका क्रियान्वयन उसीके अनुरूप करने की विशेष ज़रूरत है क्योंकि किसी भी रणनीतिक रोडमैप को उसके कार्यक्रम के अनुसार क्रियान्वयन किए जाए, तो सीमित संसाधनों से भी अनुकूल सबसे बड़ा सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान युग में युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास के अस्त्र से सशक्त करने की करें तो आज के नए डिजिटल भारत में युवा पीढ़ी देश के नेशन बिल्डर हैं।शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता के साथ युवाओं की क्षमता का विस्तार वैश्विक स्तर की उच्च शिक्षा के अनुरूप करने की ज़रूरत है जिससे हमारे भारत का भविष्य सशक्त होगा क्योंकि शिक्षा के मज़बूत अंतरराष्ट्रीय स्तर के ढांचे से निकलने के बाद हमारे युवा वैश्विक स्तरपर श्रेष्ठ वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, अविष्कारक की भूमिका में होंगे जिस पर देश में नवाचार, नवोन्मेष, डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष की क्रांति आएगी और हर स्तरपर हर क्षेत्र में हमारे युवा उस क्षेत्र के विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं देंगे तो हमारा विज़न 2047, विज़न 5 ट्रिलियन डॉलर,विज़न आत्मनिर्भर भारत के स्वप्नों को उसकी डेट लाइन से कहीं बहुत अधिक समय पहले हम पहुंचजाएंगे। बस, जरूरत है संकल्प, जांबाज़ी और ज़ज्बे से अपने शिक्षा व कौशलता के स्तर को अपने अनुरूप बनाने में जुट जाने की। साथियों बात अगर हम केंद्र और राज्य सरकार द्वारा होली के विभिन्न योजनाओं की करें तो करें तो शिक्षा, उन्नति और प्रोत्साहन के लिए अनेक द्वार खोले गए हैं उसके लिए बज़ट एलोकेशन भी किए गए हैं परंतु बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं है बजट को यदि ठीक से क्रियान्वित किया जाए तो सीमित संसाधनों से भी बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है !बस,जरूरत है हमें कुछ कर गुजरने के संकल्प लेने की

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा शिक्षा और कौशलता विकास क्षेत्रों पर केंद्रीय बजट 2025 के सकारात्मक प्रभाव पर एक वेबीनार को संबोधन करने की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने बजट 2025 में शामिल पांच पहलुओं पर विस्तार से बताया। सबसे पहले, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं यानी शिक्षा क्षेत्र की बढ़ी हुई क्षमताओं के साथ बेहतर गुणवत्ता के साथ शिक्षा का विस्तार करना। दूसरा, कौशल विकास पर जोर दिया गया है।

भगवान दास

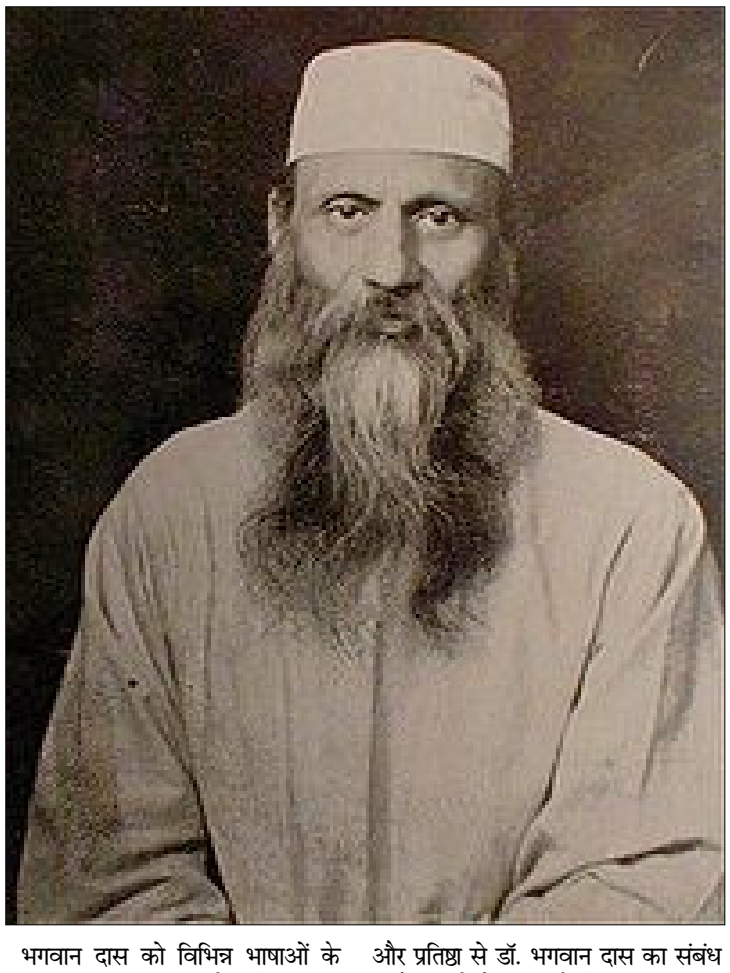

भगवान दास को विभिन्न भाषाओं के प्रकांड पंडित, स्वतंत्रता सेनानी, समाज सेवी और शिक्षा शास्त्री के रूप में, देश की भाषा, संस्कृति को सुदृढ़ बनने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले, स्वतंत्र और शिक्षित भारत के मुख्य संस्थापकों में गिना जाता है।

जन्म

डॉ. भगवान दास का जन्म 12 जनवरी, 1869 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में हुआ था। उनके पिता का नाम साह माधव दास था। वे वाराणसी के सर्वाधिक प्रतिष्ठित और धनी व्यक्तियों में गिने जाते थे। धन और प्रतिष्ठा से डॉ. भगवान दास का संबंध उनके पूर्वजों के समय से ही था। कहा जाता है कि डॉ. भगवान दास के पूर्वज बड़े ही दानी और देशभक्त थे। इन सभी गुणों के साथ साथ वह कुशल व्यापारी भी थे। उन्होंने अंग्रेज़ों के साथ मिलकर अथाह सम्पत्ति एकत्र कर ली थी। धनी और प्रतिष्ठित पतिवार में जन्म लेने के बाद भी डॉ. भगवान दास बचपन से ही भारतीय सभ्यता और संस्कृति के सांचे में ढले थे।

शिक्षा

उनकी प्रारम्भिक शिक्षा वाराणसी में ही हुई। उस समय अंग्रेज़ी, शिक्षा, भाषा और संस्कृति का बहुत प्रसार था किंतु डॉ. भगवान दास ने अंग्रेज़ी के साथ साथ हिन्दी, अरबी, उर्दू, संस्कृत, फ़ारसी, भाषाओं का भी गहन अध्ययन किया। शेख सादी द्वारा रची गयीं बोस्तां और गुलिस्तां इन्हें बहुत ही प्रिय थीं। बचपन से ही डॉ. भगवान दास बहुत ही कुशाग्र बुद्धि थे। वे पढ़ने लिखने में बहुत तेज़ थे। डॉ. भगवान दास ने 12 वर्ष की आयु में ही हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। इसके पश्चात् वाराणसी के ही क्वींस कॉलेज से इण्टरमीडिएट और बी.ए. की परीक्षा संस्कृत, दर्शन शास्त्र, मनोविज्ञान और अंग्रेज़ी विषयों के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।

इसके बाद आगे की शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन्हें कोलकाता भेजा गया। वहाँ से उन्होंने दर्शन शास्त्र में एम.ए. किया। सन् 1887 में उन्होंने 18 वर्ष की अवस्था में ही पाश्चात्य दर्शन में एम. ए. की उपाधि प्राप्त कर ली थी। एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण करके पिता के कहने से उन्होंने अनिच्छा पूर्वक डिप्टी कलेक्टर के पद पर सरकारी नौकरी की। नौकरी करते हुए भी उनका ध्यान अध्ययन और लेखन कार्य में ही लगा रहा।

कार्यक्षेत्र

23 -24 वर्ष की आयु में ही उन्होंने साइंस ऑफ पीस और साइंस ऑफ इमोशन नामक पुस्तकों की रचना कर ली थी। लगभग 8 -10 वर्ष तक उन्होंने सरकारी नौकरी की और पिता की मृत्यु होने पर नौकरी छोड़ दी। इस समय एक ओर देश की स्वतंत्रता के लिए आन्दोलन हो रहे थे, वहीं दूसरी ओर अंग्रेज़ों के शासन के कारण भारतीय भाषा, सभ्यता और संस्कृति नष्ट भ्रष्ट हो रही थी और उसे बचाने के गंभीर प्रयास किये जा रहे थे। प्रसिद्ध समाज सेविका एनी बेसेंट ऐसे ही प्रयासों के अंतर्गत वाराणसी में कॉलेज की स्थापना करना चाह रही थीं। वह ऐसा कॉलेज स्थापित करना चाहतीं थीं जो अंग्रेज़ी प्रभाव से पूर्णतया मुक्त हो। जैसे ही डॉ. भगवान दास को इसका पता चला उन्होंने तन मन धन से इस महान् उद्देश्य पूरा करने का प्रयत्न किया। उन्हीं के सार्थक प्रयासों के फलस्वरूप वाराणसी में सैंट्रल हिन्दू कॉलेज की स्थापना की जा सकी। इसके बाद पं. मदनमोहन मालवीय ने वाराणसी में हिन्दू विश्वविद्यालय स्थापित करने का विचार किया, तब डॉ. भगवान दास ने उनके साथ मिलकर काशी हिन्दू विद्यापीठ की स्थापना में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया और पूर्व में स्थापित सैंट्रल हिन्दू कॉलेज का उसमें विलय कर दिया। डॉ. भगवान दास काशी विद्यापीठ के संस्थापक सदस्य ही नहीं, उसके प्रथम कुलपति भी बने।

लेखन

डॉ. भगवान दास ने हिन्दी और संस्कृत भाषा में 30 से भी अधिक पुस्तकों पर लेखन किया। सन् 1953 में भारतीय दर्शन पर उनकी अंतिम पुस्तक प्रकाशित हुई।

स्वतंत्रता में भाग

डॉ. भगवान दास ने देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों को भी उसी भाव से निभाया। 1921 के सविनय अवज्ञा आन्दोलन में भाग लेने पर वह गिरफ्तार होकर जेल गये। इसके बाद असहयोग आन्दोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाकर प्रमुख कांग्रेसी नेता के रूप में उभरे। शिक्षा शास्त्री तो वह थे ही, स्वतंत्रता सेनानी के रूप में भी उभर कर सामने आये।

असहयोग आन्दोलन के समय डॉ. भगवान दास काशी विश्वविद्यालय के कुलपति थे। उसी समय देश के भावी नेता श्री लालबहादुर शास्त्री भी वहां पर शिक्षा प्राप्त कर रहे थे। इस समय वह कांग्रेस और गांधी जी से पूर्णतः जुड़ गये थे। 1922 में वाराणसी के म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनावों में कांग्रेस को भारी विजय दिलायी और म्यूनिसिपल कमेटी के अध्यक्ष चुने गये। इस पद पर रहते हुए उन्होंने अनेक सुधार कार्य कराये। साथ ही वह अध्ययन और अध्यापन कार्य से भी जुड़े रहे, विशेष रूप से हिन्दी भाषा के उत्थान और विकास में उनका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने महत्त्वपूर्ण कार्य किये। इन महत्त्वपूर्ण कार्यों के कारण उन्हें अनेक विश्वविद्यालयों से डॉक्टरेट की मानद उपाधियों से अलंकृत किया गया। सन् 1935 के कौंसिल के चुनाव में वे कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। कालांतर में वे सक्रिय राजनीति से दूर रहने लगे और भारतीय दर्शन और धर्म अध्ययन और लेखन कार्य में व्यस्त रहने लगे। इन विषयों में उनकी विद्वत्ता, प्रकांडता और ज्ञान से महान् भारतीय दार्शनिक श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी बहुत प्रभावित थे और डॉ. भगवान दास उनके लिए आदर्श व्यक्तित्व बने।

योगदान

डॉ. भगवान दास का योगदान जितना भारतीय शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और विकसित करने में मानाजाता है, उतना ही योगदान देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में महत्त्वपूर्ण माना जाता है, और जितना योगदान देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में महत्त्वपूर्ण माना जाता है, उतना ही योगदान भारतीय दर्शन और धर्मशास्त्र को विश्वस्तर पर प्रतिष्ठित करने में माना जाता है। वसुदैव कुटंबकम अर्थात् सारा विश्व एक ही परिवार है की भावना रखने वाले डॉ. भगवान दास ने सम्पूर्ण विश्व के दर्शन और धर्म को प्राचीन और सामयिक परिस्थितियों के अनुरूप एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया।

व्यक्तित्व

अपने जीवनकाल में ही अपार धन और सम्मान पाने के बाद भी डॉ. भगवान दास का जीवन भारतीय संस्कृति और महर्षियों की परम्परा का ही प्रतिनिधित्व करता है। वह गृहस्थ थे, फिर भी वह संयासियों की भांति साधारण खान पान और वेशभूषा में रहते थे। वह आजीवन प्रत्येक स्तर पर प्राचीन भारतीय संस्कृति के पुरोधा बने। सन् 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब डॉ. भगवान दास की देशसेवा और विद्वत्ता को देखते हुए उनसे सरकार में महत्त्वपूर्ण पद संभालने का अनुरोध किया गया, किंतु प्रबल गाँधीवादी विचारों के डॉ. भगवान दास ने विनयपूर्वक अस्वीकार कर दर्शन, धर्म और शिक्षा के क्षेत्र को ही प्राथमिकता दी और वह आजीवन इसी क्षेत्र में सक्रिय रहे।

पुरस्कार

सन 1955 में भारत सरकार की ओर से तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने उन्हें भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया।

निधन

भारत रत्न मिलने के कुछ वर्षों बाद 18 सितम्बर 1958 में लगभग 90 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। आज भले ही डॉ. भगवान दास हमारे बीच नहीं हैं, किंतु भारतीय दर्शन, धर्म और शिक्षा पर किया गया कार्य सदैव हमारे साथ रहेगा।

15 साल निवेश करने पर किसमें मिलेगा ज्यादा रिटर्न, क्या है आपके लिए फायदेमंद?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीपीएफ एक सुरक्षित स्कीम है। अगर आप लंबे समय के लिए किसी सुरक्षित स्कीम में निवेश करना चाहते हैं, तो पीपीएफ बेस्ट ऑप्शन रहता है। हालांकि आप लंबे समय में निवेश के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी का भी चयन कर सकते हैं।

आज हम जानेंगे कि 15 साल के निवेश पर एसआईपी या पीपीएफ कहां ज्यादा रिटर्न मिलेगा। इसके साथ ही आपको कहां फायदा मिलने वाला है?

अगर कोई व्यक्ति पीपीएफ में 15 साल के लिए प्रतिवर्ष 60 हजार रुपये निवेश करते हैं, तो 7.1 फीसदी रिटर्न के हिसाब से आपको मैच्योरिटी पर 16,27,284 रुपये मिलेंगे।

इन 15 सालों में मूलधन 9 लाख रुपये होगा। इसके साथ ही 15 सालों में केवल ब्याज 7,27,284 रुपये मिल जाएगा। हालांकि ये रिटर्न पूरी तरह से सुरक्षित है।

15 साल बाद कितना मिलेगा रिटर्न- अगर कोई व्यक्ति अगर हर महीने 15 साल के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में 5000 रुपये निवेश करता है, तो 12 फीसदी रिटर्न के हिसाब से उसे 25,23,000 रुपये मिलेंगे। इन 15 सालों में मूलधन 9 लाख रुपये होगा। हालांकि म्यूचुअल फंड में मिलने वाला रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करेगा।

आपके लिए क्या बेहतर- अगर आप थोड़ा बहुत जोखिम लेने को तैयार है, तो म्यूचुअल फंड एसआईपी बेहतर ऑप्शन रहेगा। हालांकि अगर आप जोखिम नहीं लेना चाहते, तो पीपीएफ बेस्ट ऑप्शन है। पीपीएफ में आपके पैसे सुरक्षित रहते हैं।

आप चाहे तो कुछ रकम म्यूचुअल फंड में और बाकी के बचे हुए पैसे पीपीएफ में निवेश कर सकते हैं। अगर पीपीएफ (30,000 प्रतिवर्ष) और एसआईपी (2500 प्रति महीना) दोनों में ही 15 साल के लिए निवेश किया जाए, तो आपको मैच्योरिटी पर रिटर्न 20,74,642 रुपये मिलेंगे। इस तरह से आपका पोर्टफोलियों बैलेंस भी बन जाता है।

सोना या फिर चांदी, आपके लिए क्या है सही

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपने एक साल पहले सोना या चांदी खरीदी होती, तो आज आपकी जेब अच्छी खासी गरम होती। क्योंकि, पिछले एक साल में दोनों ही धातुओं ने जबरदस्त रिटर्न दिया है। जहां शेयर बाजार लगभग ठहरा रहा, वहीं गोल्ड-सिल्वर ने निवेशकों की चमक बढ़ा दी।

17 सितंबर 2024 से 15 सितंबर 2025 के बीच सोना और चांदी दोनों ही 40% से ज्यादा चढ़ गए। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि आपके लिए कौन ज्यादा बेस्ट हो सकता है- सोना या फिर चांदी? आखिर कौन ज्यादा कमाई कर सकता है? आइए जानते हैं पिछले एक साल के आंकड़ों में कि आखिर कौन है बेस्ट इन्वेस्टमेंट?

17 सितंबर 2024 को सोने की कीमत 73,150 रुपए थी, जो 15 सितंबर 2025 को बढ़कर 1,10,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गई। यानी सिर्फ एक साल में सोना करीब 51.20% उछला। अगर किसी ने पिछले साल 1 लाख रुपए सोने में लगाए होते, तो आज उसकी वैल्यू लगभग 1.51 लाख रुपए होती।

बंपर रिटर्न देने के मामले में चांदी भी पीछे नहीं रही। पिछले साल 89,284 रुपए प्रति किलो से चढ़कर इस साल 1,30,000 रुपए प्रति किलो पहुंच गई। यानी चांदी में करीब 45.60% की तेजी देखने को मिली। मतलब अगर किसी ने 1 लाख रुपए चांदी में लगाए होते, तो उसकी वैल्यू आज करीब 1.45 लाख रुपए होती।

50 और 100 रुपये वाले इन सरकारी बैंकों के शेयरों ने कराई मोटी कमाई, तूफानी तेजी में क्या आपने भी बनाया मुनाफा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में आज सरकारी बैंकों के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिली। इस समय निफ्टी PSU Bank Index 2.45 फीसदी बढ़कर 7,304.50 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में भी तूफानी तेजी जारी है। इस खबर को लिखते समय तक SBI के शेयर 2.90% फीसदी बढ़कर 855.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं, 100 रुपये से कम वाले सरकारी स्टॉक्स में भी जबर तेजी देखने को मिली।

Bank of Maharashtra, Central Bank of India, UCO Bank, Punjab & Sind Bank, Indian Overseas Bank के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली। इनके शेयर 100 रुपये से कम में है। निवेशकों ने आज इनके शेयरों में निवेश करके मोटी कमाई की।

सुबह 10ः55 बजे; निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 1.4 फीसदी ऊपर था, जबकि निफ्टी 50 में 0.32 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पीएसयू बैंक इंडेक्स ने इंट्रा-डे हाई 7,260.70 को छुआ और 17 जुलाई 2025 को छुए गए अपने 52-सप्ताह के हाई 7,304.80 के करीब कारोबार कर रहा था। सितंबर महीने में अब तक निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स ने 7.5 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि निफ्टी 50 में 3.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

100 रुपये से कम वाले सरकारी बैंकों के शेयरों में तूफानी तेजी- बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बात करें तो इस खबर को लिखते समय इसके शेयर 4.07% की तेजी के साथ 57.30 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। वहीं, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 2.27 फीसदी चढ़कर 37.78 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं।

बात करें अगर यूको बैंक की तो इसके शेयर अभी 2.04त्न चढ़कर 30.48 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। पंजाब एंड सिंध बैंक के शेयर 1.38त्न चढ़कर 30.22 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। इंडियन ओवरसीज बैंक के शेयर 0.85% चढ़कर 40.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

वेदांता के डीमर्जर पर फिर फंसा पेंच, सरकार ने जताई आपत्ति; फाइनेंशियल रिस्क के डर का दिया हवाला

vedanta transforming for good

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अग्रवाल की वेदांता का डीमर्जर प्लान एक बार फिर अधर में लटकता दिख रहा है। दरअसल इस बार सरकार ने ही वेदांता के डीमर्जर प्लान पर आपत्ति जताई है और कई सवाल उठाए हैं।

सरकार ने फाइनेंशियल रिस्क की संभावना जताई है। केंद्र सरकार ने आज राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण में सुनवाई के दौरान अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाली कंपनी के डीमर्जर प्लान के खिलाफ कई दलीलें दीं।

सरकार का दावा है कि माल्को एनर्जी (वेदांता की सब्सिडियरी) की अलग हुई इकाई का लिक्विडेशन होने की संभावना है और इससे सरकारी बकाया राशि की वसूली की प्रोसेस लगभग असंभव हो जाएगी।

सरकार का दावा है कि अगर अलग किया जाता है तो एसेट कवरेज में भारी गिरावट आएगी। सरकार का दावा है कि वेदांता के पास 2 लाख करोड़ से अधिक की संपत्तियाँ हैं, जो सरकार की कुल 16,000 करोड़ की माँग से 12.3 गुना अधिक है।

अपने मध्यस्थता विवाद में, सरकार ने 5,900 करोड़ से अधिक का दावा किया है, जिसका, सरकार के अनुसार, कंपनी ने खुलासा ही नहीं किया।

एसबीआई के शेयर जाएंगे 900 रुपये के पार? 8889 करोड़ की डील के ऐलान से आई बड़ी तेजी, यस बैंक से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं। एसबीआई के शेयरों में इस तेजी की खास वजह बताई जा रही है। दरअसल, भारतीय स्टेट बैंक ने यस बैंक में 13.18 प्रतिशत हिस्सेदारी जापानी समूह सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन को बेचने की घोषणा की है। इस ट्रांजेक्शन की कुल वैल्यू 8,889 करोड़ रुपये होगी। खास बात है कि एसबीआई के शेयर लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। पिछले साल जून में एसबीआई के शेयरों में 912 रुपये के उच्च स्तर देखने को मिले थे, और अब स्टॉक उस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

जहां, एसबीआई के शेयर 3 फीसदी तक की तेजी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। वहीं, यस बैंक के स्टॉक्स में हल्की गिरावट देखी जा रही है। एसबीआई के शेयर 17 सितंबर को 823.55 रुपये पर खुले और 857 रुपये का हाई लगा दिया। फिलहाल, एसबीआई के शेयर 856.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

एसबीआई ने स्टैक सेल पर क्या कहा

एसबीआई ने जारी प्रेस रिलीज में कहा, एसबीआई और अन्य शेयरधारक बैंकों द्वारा यस बैंक लिमिटेड में एसएमबीसी को आंशिक हिस्सेदारी की बिक्री भारतीय बैंकिंग सेक्टर में सबसे बड़ा क्रॉस-बॉर्डर निवेश है। इस ट्रांजेक्शन को भारतीय रिजर्व बैंक और CCI समेत आवश्यक रेगुलेटरी मंजूरी मिल गई हैं।

यस बैंक में एसबीआई की बड़ी हिस्सेदारी रही है। हालांकि, अब जापानी बैंकिंग समूह एसएमबीसी को यस बैंक में 24.99% तक हिस्सेदारी खरीदने के लिए आरबीआई की मंजूरी मिल चुकी है। जून 2025 तक एसबीआई के पास यस बैंक में 23.96 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

आम आदमी की जेब में आएंगे 2 लाख करोड़, जीएसटी 2.0 के लिए किस आधार पर हुए फैसले?

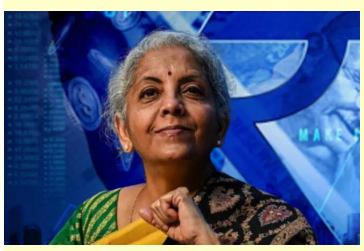

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को विशाखापट्टनम में कहा कि जीएसटी (तस्ज्ञ) में किए गए बड़े बदलाव से आम लोगों की जेब में करीब 2 लाख करोड़ रुपए आएंगे। इसका सीधा असर रोजमर्रा की खरीदारी और खर्च पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस सुधार से मध्यम वर्ग और गरीब तबके को सबसे ज्यादा फायदा होगा।

सीतारमण ने नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स पर आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि अब 99% सामान जो पहले 12% टैक्स स्लैब में आते थे, उन्हें 5% जीएसटी स्लैब में डाल दिया गया है। यानी अब जरूरत की ज्यादातर चीजें सस्ती होंगी। ब्रेड, दूध और पनीर जैसी बुनियादी चीजों पर तो टैक्स बिल्कुल खत्म कर दिया गया है।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी से होने वाला राजस्व 2018 में 7.19 लाख करोड़ रुपए था, जो 2025 में बढ़कर 22.08 लाख करोड़ रुपए हो गया। वहीं, टैक्स देने वालों की संख्या भी 65 लाख से बढ़कर 1.51 करोड़ हो गई।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

प्रदेश में घातक हो रहा इन लक्षणों वाला मेलिओइडोसिस, पहचानने में डॉक्टर भी धोखा खा रहे

भोपाल। प्रदेश में एक नए स्वास्थ्य संकट ने दस्तक दी है। यह जीवाणु (बैक्टीरिया) का संक्रमण है, जिसकी पहचान मेलिओइडोसिस बीमारी के रूप में हुई है। इसके लक्षण बिल्कुल टीबी जैसे होते हैं। अगर मरीज का गलत इलाज हो जाए तो जीवन पर खतरा हो जाता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल का दावा है कि इससे संक्रमित प्रत्येक 10 में से चार मरीजों की मौत हो जा रही है। प्रदेश के 20 जिलों में 130 मरीज इस बीमारी से संक्रमित पाए गए हैं।

पिछले दिनों राजधानी के पास रहने वाले एक 45 वर्षीय किसान को एम्स लाया गया था। वह कई महीनों से बार-बार आने वाले बुखार, खांसी और सीने में दर्द से परेशान थे। स्थानीय डॉक्टरों ने इसे टीबी मानकर इलाज शुरू किया था। महीनों तक दवा खाने के बाद भी जब उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ, तो थक-हारकर उन्हें एम्स भोपाल लाया गया। यहां जब माइक्रोबॉयोलाजी विभाग ने गहराई से जांच की, तो पता चला कि उन्हें टीबी नहीं, बल्कि मेलिओइडोसिस है। सही बीमारी पकड़ में आने के बाद मरीज ठीक हो गया। एम्स के विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले छह वर्षों से इस बीमारी पर वह नजर बनाए हुए हैं।

प्रदेश में अब तक 20 जिलों में 130 से ज्यादा मरीजों की पहचान हो चुकी है।

यह बीमारी अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे प्रदेश में फैल रही है।

सही समय पर इसकी पहचान न हो पाने के कारण यह जानलेवा भी साबित हो सकती है।

क्योंकि इसके लक्षण टीबी जैसे होने के कारण अक्सर डॉक्टर भी धोखा खा जाते हैं।

यह होता है मेलिओइडोसिस

मेलिओइडोसिस एक संक्रामक बीमारी है जो बर्कहोल्डरिया स्यूडोमल्ली नामक बैक्टीरिया से होती है। यह बैक्टीरिया आमतौर पर मिट्टी और पानी में पाया जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह बीमारी अब प्रदेश में स्थानिक (एंडेमिक) हो चुकी है, यानी यहीं के वातावरण में स्थायी रूप से मौजूद है।

किसान और मधुमेह रोगी होते हैं आसान शिकार

बताया गया कि इसका सबसे अधिक खतरा ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी से जुड़े लोगों को होता है, क्योंकि उनका सीधा संपर्क मिट्टी और पानी से होता है।

शहरी इलाकों में डायबिटीज(मधुमेह) के मरीजों और अधिक शराब का सेवन करने वालों को भी यह बीमारी आसानी से अपनी चपेट में ले सकती है।

डॉक्टरों को प्रशिक्षित कर रहा एम्स

एम्स का माइक्रोबायोलाजी विभाग प्रदेश भर के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को इस बीमारी की सही और समय पर पहचान के लिए प्रशिक्षित कर रहा है।

पिछले ढाई सालों में 25 सरकारी और निजी अस्पतालों के 50 से ज्यादा विशेषज्ञों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

इस प्रशिक्षण का ही नतीजा है कि अब प्रदेश के अन्य अस्पतालों से भी 14 नए मामले सामने आए हैं, जिनका सही इलाज संभव हो पाया है।मेलिओइडोसिस एक ऐसी बीमारी है जिस पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता। जागरूकता और समय पर सही जांच से अनमोल जीवन बचाया जा सकता है। हमारा संस्थान प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए इस संक्रामक रोग से लड़ने की क्षमता बढ़ा रहा है।

-माधवानंद कर, कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल।

ग्वालियर में अब नहीं रहेगी लो-वोल्टेज की समस्या, बिजली उपकेंद्रों पर लगाए गए कैपेसिटर बैंक

ग्वालियर। बिजली उपभोक्ताओं को अब पहले से ज्यादा स्थिर बिजली मिलेगी। उन्हें अब लो-वोल्टेज की समस्या से राहत मिल जाएगी, क्योंकि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश भर में 417 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब स्टेशनों में से 412 सब स्टेशनों पर विभिन्न क्षमताओं के कैपेसिटर बैंक लगा दिए हैं।

इन कैपेसिटर बैंकों की मदद से वोल्टेज में स्थिरता लाई जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज और बार-बार उपकरण खराब होने की समस्या से निजात मिलेगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ट्रांसमिशन सिस्टम और अधिक मजबूत हो रहा है। यह होते हैं कैपेसिटर बैंक

कैपेसिटर बैंक (संधारित्र बैंक) कई कैपेसिटर का एक समूह होता है, जो विद्युत ऊर्जा को संग्रहित और जारी करने के लिए एक साथ समानांतर या श्रेणीक्रम में जुड़े होते हैं। इन्हें विद्युत प्रणालियों की दक्षता में सुधार करने, पावर फैक्टर को सही करने और प्रतिक्रियाशील शक्ति को कम करने के लिए उपयोग किया जाता है। ग्वालियर जिले में 11 हाई टेंशन सब स्टेशनों पर 222 एमवीएआर क्षमता के कैपेसिटर बैंक क्रियाशील किए गए हैं।

एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशनों से विद्युत आपूर्ति के दौरान पावर ट्रांसफार्मर पर प्रायः इंडक्टिव लोड (सिंचाई मोटर एवं घरेलू उपकरण) होता है, जिससे वोल्टेज में कमी आती है और विद्युत गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस समस्या के समाधान के लिए कैपेसिटर बैंक लगाए गए हैं, जो अपने कैपेसिटिव लोड के माध्यम से उस इंडक्टिव प्रभाव को संतुलित कर देते हैं।

राज्य पुलिस सेवा के सात अधिकारी IPS संवर्ग में होंगे पदोन्नत, इस साल पांच को मिलेगा मौका

भोपाल। राज्य पुलिस सेवा के पांच अधिकारी इस वर्ष आईपीएस संवर्ग में पदोन्नत हो जाएंगे। अगले वर्ष एक जनवरी 2025 की स्थिति में सात को पदोन्नति मिलनी है। यह सभी 1998 बैच के होंगे। यानी, अभी 27 वर्ष की सेवा के बाद भी वह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ही हैं।

बड़े-बड़े बैच, हर पांच वर्ष में काडर रिव्यू नहीं होने सहित कई कारणों से मप्र के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी आईपीएस संवर्ग में पदोन्नति में अन्य राज्यों से काफी पीछे हैं। वर्ष 2025 में सात पदों के लिए डीपीसी की तैयारी शासन अक्टूबर-नवंबर से प्रारंभ कर सकता है। इनकी डीपीसी लगभग एक वर्ष पीछे चल रही है। बता दें कि कर्नाटक में 2012, तेलंगाना, गुजरात और आंध्र प्रदेश में 2010 बैच के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी पदोन्नत होकर आइपीएस बन चुके हैं, पर प्रदेश में अभी वर्ष 1998 का ही पूरा बैच पदोन्नत नहीं हो पाया है। उधर, प्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2006 के अधिकारी आईएएस में पदोन्नत हो चुके हैं।

राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी लंबे समय से शासन से मांग कर रहे हैं कि छोटे जिलों में पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी उन्हें दी जाए, पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है, जबकि यह व्यवस्था मध्य प्रदेश में पहले लागू रही है। शशिकांत शुक्ला, रमन सिंह सहित कई अधिकारी दो जिलों में एसपी रहने के बाद आइपीएस बने। अब कई वर्षों से इसे बंद कर दिया गया है।

पन्ना में दिल दहलाने वाली वारदात, मां-बेटे के मुंह में कपड़ा ठूंसकर निर्मम हत्या

अजयगढ़- अजयगढ़ थाना के माधोगंज इलाके मे मां और उसके मासूम बच्चे की निर्मम हत्या से इलाके मे हड़कंप मच गया माधोगंज के रहूनिया मे रहने वाली 25 वर्षीय सोनू कुशवाहा पति रामनारायण कुशवाहा व उसके 5 साल के मासूम बेटे की उसके घर पर अज्ञात हत्यारो ने कुरुरता से हत्या कर दी और घटना को अंजाम देकर फरार हो गए।

इलाके मे सनसनी

स्थानिय रहवासी जगमोहन यादव ने बताया कि महिला अपने घर पर ही छोटी सी किराना दुकान चलाती थी महिला का पति पंजाब मे रहकर मजदूरी का कार्य करता है। महिला अपने 2 बच्चों के साथ घर पर थी। घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपियों ने महिला एवं उसके पांच साल के बेटे को मुंह मे कपड़ा ठूस कर उसकी क्रूरता के साथ हत्या कर दी। आरोपी ने

महिला के डेढ़ साल के बच्चे को जीवित छोड़ दिया। जगमोहन ने आरोप लगाया है कि हत्यारो ने महिला के घर मे चोरी भी की और उसकी इज्जत भी लूट ली, उन्होंने कहां की उनकी 65 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार ऐसा मामला देखा है ग्रामवासियो ने आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है। वही घटना के बाद से पूरे इलाके मे सनसनी फ़ैल गई है वही जनकारी लगने के बाद एसडीओपी व थाना प्रभारी सहित भारी पुलिस बल मौक़े पर पहुंचा और मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

दुष्कर्म होने की पुष्टि नहीं

एसडीओपी राजीव सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले की जांच जारी है जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। हालांकि उन्होंने महिला के साथ दुष्कर्म होने की पुष्टि नहीं की है। मामला क्या है यह पुलिस विवेचना उपरांत ही स्पष्ट हो पायेगा। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप के हालात बने हुए है। हालांकि घटना के बाद ग्रुस्साए ग्रामवासियों ने माधौगंज चौराहे पर चक्का जाम कर दिया और जमकर नारेबाजी शुरू कर दी ग्रामवासी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर की सड़क दुर्घटना बेहद दुःखद- घटना की पुर्नरावृति रोकने के होंगे पुख्ता प्रबंध

डॉ. यादव ने दोषियों के विरूद्ध की सख्त कार्रवाई

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर में सोमवार की शाम हुई सड़क दुर्घटना बेहद दुखद है। राज्य शासन ने घटना को पूरी गंभीरता के साथ लिया है। दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। घटना की पुर्नावृति भविष्य में नहीं हो, इसके पूरे इंतजाम किए जा रहे हैं। घटना की जांच अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह द्वारा कराई जा रही है। जांच के आधार पर आगे और भी कार्रवाई की जाएगी। डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही घायलों को एक-एक लाख रुपये की मदद दी जाएगी। घायलों के इलाज का पूरा खर्च राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा। घटना के दौरान बचाव कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज इंदौर के विभिन्न अस्पतालों में पहुँचकर घायलों से मिलने के पश्चात कलेक्टर कार्यालय में जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि यह घटना विचलित करने वाली बेहद दुःखद है। मैं इस घटना से स्वयं व्यथित हूं। मुझे रातभर बैचेनी रही, मैं ठीक से सो भी नहीं पाया। आज के सारे कार्यक्रम रद्द कर सीधे इंदौर पहुँचा और घायलों से मिलने विभिन्न अस्पतालों में गया। उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। चिकित्सकों से चर्चा कर उन्हें उपलब्ध कराये जा रहे इलाज के बारे में भी जानकारी ली। घायलों का बेहतर से बेहतर इलाज कराने के निर्देश दिए। घायलों के इलाज में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार घटना को लेकर पूर्णतः गंभीर है। घटना की पुर्नावृति नहीं हो, इसके लिए सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव को इस संबंध में परीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है। इस संबंध आवश्यक प्रबंधन जैसे ड्रोन, अनियंत्रित वाहनों को रोकने की व्यवस्था, यातायात नियंत्रण आदि के बारे में भी रिपोर्ट देने को कहा गया है। संसाधन और सुविधाओं में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। एलिवेटेड ब्रिज सहित अन्य निर्माण की संभावनाएं भी पता करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सुझाव देने के लिए जल्द ही जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम सहित अन्य संयुक्त बैठक आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि घटना दुखद है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपये की तथा घायलों को एक-एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। घायलों के इलाज का पूरा खर्चा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय पोषण माह अभियान 16 अक्टूबर तक

इंदौर। मिशन पोषण 2.0 के तहत मध्यप्रदेश में 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025 तक राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जाएगा। इस वर्ष का आयोजन आठवाँ पोषण माह होगा, जिसमें राज्य, जिला, परियोजना और आंगनबाड़ी स्तर तक सामुदायिक सहभागिता से थीम-आधारित गतिविधियाँ संचालित होंगी। पोषण माह की प्रमुख थीम हैं मोटापा नियंत्रण (कम नमक, कम चीनी, कम तेल), प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (पोषण भी पढ़ाई भी), शिशु एवं बाल आहार प्रथाएँ, पुरुष सहभागिता और एक पेड़ माँ के नाम एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा। पोषण माह के दौरान आईवाईसीएफ परामर्श सत्र, व्यंजन प्रतियोगिता, फिटनेस चैलेंज, योग दिवस, किचन गार्डन अभियान तथा स्थानीय उत्पादों का प्रचार जैसी गतिविधियाँ होंगी। पोषण भी पढ़ाई भी÷ थीम के तहत आंगनबाड़ियों में स्टोरी टेलिंग, पपेट शो और एक्टिविटी आधारित शिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे। जन-जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक, रेडियो जिंगल्स, सोशल मीडिया अभियान और सामुदायिक रेडियो का उपयोग किया जाएगा।

स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत, कृषि, खाद्य, आयुष, जल जीवन मिशन, खेल एवं युवा कल्याण सहित विभिन्न विभागों और स्थानीय अशासकीय संगठनों की सहभागिता से यह अभियान सुपोषित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने इंदौर पहुँचकर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मंगलवार को आकस्मिक रूप से इंदौर पहुँचे। यहां पहुँचने के पश्चात वे सोमवार शाम हुई दुःखद घटना में घायलों की कुशलक्षेम जानने वर्मा यूनियन हॉस्पिटल, गीतांजलि अस्पताल, बांठिया अस्पताल, अरबिंदो मेडिकल कॉलेज व भंडारी अस्पताल में पहुँचकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने दुर्घटना में घायल सभी 13 प्रभावित व्यक्तियों से मिलकर घटना के बारे में जानकारी ली और ढांढस बंधाया। साथ ही उन्होंने घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए घायलों के परिजनों से कहा कि वे चिंता नहीं करें, दुखद घडी में सभी परिजनों के साथ प्रशासन है। डॉ. यादव ने डॉक्टर्स और कलेक्टर को सभी के समुचित रूप से उपचार करने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों और उनके परिजनों से कहा कि किसी भी घायल के उपचार में कमी नहीं रखी जायेगी । दुर्घटना के बाद घायलों को अस्पताल पहुँचाने वाले त्वरित रूप से सहयोग करने वाले नागरिकों का सम्मान 26 जनवरी को सम्मान करने के निर्देश भी दिए है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर आते ही सबसे पहले वर्मा यूनियन हॉस्पिटल में घायल संदीप बिंझवार, अनिल नामदेव से मुलाकात करते हुए घटना के बारे में उनसे भी चर्चा की। इसके पश्चात डॉ. यादव गीतांजलि अस्पताल में सुश्री पलक जोशी,श्री अशोक कुमार गोप्लानी, सुश्री काजल देवी गोप्लानी, संविद दुदानी और श्री अनिल कोठारी आदि से मिले। इसके पश्चात डॉ. यादव बांठिया अस्पताल, अरबिंदो और भंडारी अस्पताल में घायलों से मिलने पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों का इलाज कर रहे चिकित्सकों को निर्देशित किया कि वे घायलों का बेहतर से बेहतर इलाज करें। इलाज में किसी भी तरह की कसर नहीं रखी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों के परिजनों को सांत्वना दी और विश्वास दिलाया कि घायलों का अच्छे से अच्छा इलाज किया जाएगा।

अस्पतालों में चलेगा साफ-सफाई का विशेष अभियान : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेज और जिलों में स्थित प्रमुख चिकित्सालयों में सेवा पर्व और सेवा पखवाड़े के तहत 17 सितम्बर से साफ-सफाई का व्यापक अभियान चलाने के निर्देश जिला कलेक्टर्स को दिये हैं। अभियान के तहत कचरे और अनुपयोगी सामग्री को भी प्राथमिकता से हटाया जायेगा। सेवा पर्व को सार्थक बनाने के लिए प्रदेश की सामाजिक संस्थाओं से भी सहयोग की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं संभागीय कमिश्नर को भी निर्देशित किया है कि वे सफाई अभियान का निरीक्षण और निगरानी करें। मंत्री, सांसद एवं विधायकगण से भी अनुरोध किया है कि वे साफ-सफाई अभियान का निरीक्षण कर आमजन और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी प्रोत्साहित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने साफ-सफाई के अभियान में आम जनता, सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधियों से भी सहभागिता की अपेक्षा की है। प्रदेश के समस्त कलेक्टर्स को निर्देशित किया है कि वे रोगी कल्याण समिति को सशक्त कर साफ-सफाई अभियान में जनता की भागीदारी भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा पर्व को नया आयाम देते हुए अस्पतालों में सफाई व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर की अवधि में प्रदेश में ÷स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार÷ अभियान का संचालन भी किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे।

विभिन्न रोगों की जांच के साथ ही आमजन को स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा प्रदान करने का कार्य भी किया जाएगा।

शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र को बड़ी सफलता

इंदौर। अनुसूचित जाति और जनजाति के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां कराने के लिए संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर को बड़ी सफलता मिली है। इस केन्द्र से प्रशिक्षित 21 युवा राज्य सरकार में अधिकारी पद के लिए चयनित हुए हैं। इन युवाओं ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2024 में पद हासिल किए हैं। ज्ञात रहे कि आयोग द्वारा इंटरव्यू का परीक्षा परिणाम विगत 12 सितम्बर को घोषित हुआ है, जिसमें शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर से कुल 21 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न अधिकारी पदों पर हुआ है। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र की सहायक आयुक्त/प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में केन्द्र से कुल 21 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न पदों पर हुआ। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर से चयन होने पर संस्थान के लिये बहुत ही गर्व एवं खुशी की बात है। चयनित अभ्यर्थियों में 9 पूर्व अभ्यर्थी भी शामिल है।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी — संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास — संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य — कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा — उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय — विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव — विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे — ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर — संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर — संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी — विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सेवाधाम आश्रम में श्रद्धा के श्राद्ध पर्व पर राष्ट्र के अमर बलिदानियों का तर्पण एवं वीर यौद्धाओं एवं परिजनों का सम्मान हुआ

सुधीर भाई ने 50 से अधिक राष्ट्र भक्तों एव परिवारजनों का माला, मालवी पगड़ी एवं केसरिया दुपट्टा से सम्मान किया

उज्जैन। अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में श्रद्धा के श्राद्ध पर्व पर राष्ट्र के अमर बलिदानियों के तर्पण के साथ ही 50 से अधिक वीर योद्धाओं और उनके परिजनों के लिए वंदन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में 50 से अधिक वीर योद्धा अपने परिवार सहित शामिल हुए। आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल ने बताया उज्जैन सम्भाग के पूर्व सैनिक कल्याण संघ अध्यक्ष कमल सोनी के प्रयासों से यह अनूठा आयोजन कर्नल राजकुमार सिंह चैहान, छगनलाल वर्मा और हरण चरण सिंह मल्होत्रा की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

देश के लिए प्राणों की बाजी लगाने वाले अमर बलिदानियों के तर्पण और उनके परिजनों वीर योद्धाओं के वंदन लिए अनूठा, अविस्मरणीय अद्भुत आयोजन हुआ। सर्वप्रथम सदुरू रणछोड़दासजी महाराज के चित्र के समक्ष विकास दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ कर सदुरू बैण्ड के माध्यम से स्वागत कर 50 से अधिक राष्ट्र भक्तों एवं परिवारजनों का माला, मालवी पगड़ी एवं केसरिया सेवाधाम दुपट्टे से सम्मानित किया। इस अवसर पर आश्रम के विशेष बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम तहत एडवांस योगा का प्रदर्शन कर दृष्टिबाधित भोली अग्रवाल, अस्थिबाधित सनी एवं मनमोहन सिंह ने देश भक्ति गीतों से समा बांधा, आचार्य पंण्डित श्रीराम शर्मा द्वारा अमर बलिदानियों तर्पण सम्पन्न कराया। श्राद्ध पक्ष में उनके लिए विशेष प्रसादी का आयोजन भी किया गया है।

5 अक्टूबर से मथुरा से उज्जैन तक श्री कृष्ण गुरुकुल शिक्षा यात्रा, मुख्यमंत्री शामिल होंगे

तीर्थ पुरोहित महासंघ, धर्म यात्रा महासंघ ने मुलाकात कर दिया आमंत्रण

उज्जैन। 5 से 9 अक्टूबर तक से यूपी के मथुरा से एमपी के उज्जैन तक श्री कृष्ण गुरुकुल शिक्षा यात्रा तीर्थ पुरोहित महासंघ, धर्म यात्रा महासंघ द्वारा निकाली जा रही है। यात्रा का शुभारंभ 5 अक्टूबर को मुथरा में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ जी एवं सांसद अभिनेत्री हेमा मालिनी द्वारा किया जाएगा। यात्रा का समापन 9 अक्टूबर को उज्जैन में सांदीपनि आश्रम पर मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे।

यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण देने के लिए महासंघ का प्रतिनिधि मंडल भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिला। प्रतिनिधि मंडल में धर्म यात्रा महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष अशोक कोटवानी, तीर्थ पुरोहित महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष पं. मनीष अर्जुन उपाध्याय तथा यात्रा के संयोजक तीर्थ पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री पं, सुरेंद्र चतुर्वेदी, राजीव शर्मा आदि शामिल थे। तीर्थ पुरोहित महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष पं. मनीष अर्जुन उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त यात्रा भगवान श्री कृष्ण की जन्म भूमि मथुरा से शुरू होगी व शिक्षा स्थली उज्जैन में इसका समापन होगा। खास बात यह रहेगी कि यह यात्रा भगवान श्री कृष्ण और बलराम मथुरा से जिस मार्ग से चलकर उज्जैन में विद्या अध्ययन के लिए आए थे उसी मार्ग से होकर निकलेगी।

भारत मुक्ति महिला मोर्चा ने 6 सूत्री मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन में दूसरे चरण में धरान प्रदर्शन किया

उज्जैन। भारत मुक्ति महिला मोर्चा लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन कर रही हैं। दूसरे चरण में राष्ट्रीय अध्यक्ष मूलनिवासी नायक वामन मेश्राम साहब के आव्हान पर धरना प्रदर्शन एवं ज्ञापन देने का आयोजन किया।

भारत मुक्ति महिला मोर्चा बहुजन मुक्ति पार्टी की अध्यक्ष आयु.गंगा मालवीय के नेतृत्व में छे सूत्री मांगों को लेकर रैली निकाल कर महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

वाणिज्य अध्ययनशाला में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन की वाणिज्य अध्ययनशाला में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश ढंड, डॉ. आर. के. विजय और प्राचार्य पी. एल. पाटीदार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राकेश दंड ने कहा कि हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी बोलने और लिखने में हमें गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें भारत को 'भारत' कहना चाहिए, न कि 'इंडिया'। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिंदी में हस्ताक्षर करने और भारत को इंडिया नहीं बल्कि भारत कहने की शपथ भी ली। वाणिज्य अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र कुमार भारल ने कहा कि विद्यार्थी जितनी जल्दी अपनी भाषा में सीखता है उतना दूसरी भाषा में नहीं सीख पाता है। विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए।

इस अवसर पर वाणिज्य अध्ययनशाला के संकाय सदस्य डॉ. अनुभा गुप्ता, डॉ. रुचिका खंडेलवाल, डॉ. आशीष मेहता, डॉ. नेहा माथुर , डॉ. नागेश पाराशर, डॉ. परिमिता सिंह, डॉ. कायनात तवर आदि सहित कर्मचारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा जान्हवी ने किया तथा आभार छात्र प्रियांशु गुर्जर ने व्यक्त किया।

नवरंग डांडिया गरबा महोत्सव में शौर्य का सिंदूर रहेगा विशेष आकर्षण का केंद्र, होगा राइफल गरबा

उज्जैन। मध्य प्रदेश के शतावधानी व्यक्तित्व मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के विशिष्ट मार्गदर्शन में कालिदास अकादमी के मुक्ता काशी मंच पर 16वाँ नवरंग डांडिया गरबा महोत्सव का विशिष्ट आयोजन 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक किया जाएगा।

नवरंग सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष मुकेश यादव एवं संयोजकद्वय अभय नारायण यादव, वैभव डॉ. मोहन यादव ने बताया कि नवरंग सांस्कृतिक समिति द्वारा गरबा मंच पर नवीन प्रस्तुतियां नृत्य गुरु पलक पटवर्धन के नेतृत्व में अभिनव प्रस्तुति हेतु अभ्यास कर रही है। इस वर्ष शौर्य का सिंदूर, राइफल गरबा, तलवार की धार का नृत्य, महाकाली गरबा, छतरी, चश्मा, राजस्थानी,आदिवासी मालवी एवं दक्षिण भारतीय शैली के गरबे से मां दुर्गा की आराधना सांस्कृतिक रूप में की जाएगी। नगर पालिका निगम की सभापति कलावती यादव ने नवरंग गरबा महोत्सव की गरबा प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। नारी शक्ति के महा उत्सव में नारी के पराक्रम सूर्य, अंतरिक्ष में छलांग एवं बेटियों के बचाने के साथ-साथ स्वच्छता अभियान के संदेश गरबो के माध्यम से प्रदान करने हेतु निर्देश भी प्रदान किए। नवरंग डांडिया का अनूठा संचालन स्वामी मुस्कुरा के शैलेंद्र व्यास करेंगे। नवरंग गरबा में आमंत्रित समस्त उत्सव धर्मी प्रति दिवस फ्री स्टाइल गरबो का आनंद भी परिवार एवं मित्रों के साथ अनुशासित रूप में प्राप्त कर सकेंगे। संस्था के सचिव गोविंद सोलंकी एवं कोषाध्यक्ष योगेश ठाकुर ने बताया कि प्रति दिवस श्रेष्ठ गरबा क्वीन, बेस्ट कपल, आकर्षक सांस्कृतिक वेशभूषा, गरबा युवराज, नन्हे नन्हे बालक बालिका जो सांस्कृतिक वेशभूषा के साथ आएंगे उन्हें भी अभिभावकों के साथ मंच पर सम्मानित किया जाएगा। समारोह को विशिष्टता प्रदान करने में संस्था के कोषाध्यक्ष योगेश ठाकुर, डॉ गोविंद सोलंकी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश यादव, आजाद ठाकुर, शैलेंद्र शर्मा, संजय दिवटे, राधेश्याम राठौर, मुन्ना भैया आदि विभिन्न समितियां में प्रभारी बनाए गए हैं। शहर के नृत्य क्षेत्र की प्रतिभाओ को भी प्रस्तुतियों के लिए मंच प्रदान किया जायेगा।

अग्रोहा महिला विकास ट्रस्ट के भव्य डीजे डांडिया में हुआ गरबा फ़ैशन शो

उज्जैन। महाराजा अग्रसेन जयंती के 10 दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में अग्रोहा महिला विकास ट्रस्ट द्वारा गरबा एवं सांस्कृतिक फ़ैशन शो आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक तृप्ति मित्तल एवं सरोज अग्रवाल ने बताया कि महाराजा अग्रसेन जयंती के 10 दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में गरबा एवं पारंपरिक फ़ैशन शो मनोरमा गार्डन में आयोजित किया गया। भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने की दृष्टि से गरबा कॉम्पीशन, पारंपरिक वेशभूषा की फैशन शो, बेस्ट ड्रेस, बेस्ट गरबा, बेस्ट वाक, बेस्ट सास बहू, बेस्ट कपल आदि कई आकर्षक प्रतियोगिताओं के साथ स्वादिष्ट व्यंजन एवं स्टॉल्स का आयोजन किया गया। प्रतियोगियो में समाजगणो ने बढ़ चढ़ कर बड़ी संख्या में भाग लिया।व्यवस्थापन मंडल में अध्यक्ष संगीता अग्रवाल, सचिव शीला अग्रवाल रहे। अग्रवाल पंचायत न्यास के अध्यक्ष निमेष अग्रवाल, सचिव दीपक मित्तल, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र मित्तल आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com